यूटीयू बना राज्य में सबसे अधिक कैम्पस कालेजों वाला विवि

■ नरेन्द्रनगर में खुलेगा विवि का नया कैम्पस

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। नरेन्द्रनगर पॉलीटैक्निक परिसर में राज्य सरकार की और से गवर्नमेंट इंटीग्रेटेड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी को वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्व. विद्याल (यू०टी०यू०) का नया कैम्पस कालेज संचालित किया जाना प्रस्तावित है और गवर्नमेंट इंटीग्रेटेड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी की स्थापना के साथ यह विश्वविद्यालय का सातवाँ कैम्पस होगा और यू.टी.यू. प्रदेश में सबसे अधिक कैम्पस संस्थानों वाला विश्वविद्यालय बनेगा। विश्वविद्यालय के इस कैम्पस में शैक्षणिक सत्र 2024-25 से बी०टैक० पाठ्यक्रम की कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग ब्रांच में 60 सीटें, इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग ब्रांच में 30 सीटें, आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस (AI) में 30 सीटें व फूड टैक्नोलॉजी में 30 सीटें की क्षमता के साथ आगामी सत्र 2024-25 से शुरू किये जाने का निर्णय विश्वविद्यालय कार्यपरिषद से अनुमोदन प्राप्त किया जा चुका है जिस पर अब राज्य सरकार से स्वीकृति मिलने के उपरान्त संचालन की प्रक्रिया शुरू होगी।

नये सत्र से इस कैम्पस का संचालन किये जाने को ध्यान में रखते हुए वहां पर वर्तमान में मौजूद संसाधनों जिसमें इंजी. नियरिंग की विधाओं में कम्प्यूटर साइंस की लैब, फिजिक्स लैब, कैमिस्ट्री लैब, लाइब्रेरी. इलैक्ट्रिकल / इलैक्ट्रॉनिक्स लैब के साथ लैंग्वज लैब की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने संयुक्त निद. शक प्राविधिक शिक्षा, पॉलिटैक्निक के प्राधानाचार्य य परिसर में निमाणाधीन कार्यदायी संस्थान पेयजल निगम के अधिकारियों साथ सोमवार 29 जनवरी, 2024 को परिसर का निरीक्षण किया गया।

परिसर का निरीक्षण करने के उपरान्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० ओंकार सिंह की अध्यक्षता में एक बैठक की गई। उक्त बैठक में चर्चा के दौरान नये कैम्पस संस्थान के संचालन को बी.टैक प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए वर्तमान में पॉलीटैक्निक परिसर में उपलब्ध संसाधनों के अतिरिक्त उपकरणों को उपलब्ध कराते हुए भवनों का उपयोग शेयरिंग के आधार पर कार्य किया जायेगा। पॉलिटैक्निक परिसर में अवस्थित फार्मेसी भवन में एक 60 सीट का तथा तीन 30 सीट के क्लास रूम उपयोग में लाये जायेंगे और कैम्पस संस्थान के शिक्षकों के लिए पॉलीटैक्निक में उपलब्ध शिक्षकों के कक्षों का उपयोग किया जायेगा। वहीं दूसरी ओर बढ़ी हुई क्षमता / ब्रांच के सुचारू संचालन हेतु निर्माणाधीन नये भवन में दो (2) कक्षों को प्रयोग में लाया जा सकता है। जिसके लिऐ कार्यदायी संस्थान ने परिसर में निर्माणाधीन भवन के प्रथम तल के दो कक्षों को समयबद्ध रूप से तैयार कर उपलब्ध कराये जाने का आश्वास विश्वविद्यालय प्रशासन को दिया जिस पर बैठक में मौजूद सभी सदस्यों द्वारा सहमति जतायी है।

वर्तमान में पॉलीटैक्निक परिसर में अवस्थित भवन टाईप चार (4) के तीन आवास / भवन और टाईप-दो (2) के चार आवास /भवन के इस्तेमाल न होने के कारण इनके पूर्ण रूप से रिक्त होने के दृष्टिगत इन भवनों को विश्वविद्यालय के कैम्पस इंजीनियरिंग कॉलेज के लिए छात्रावास के रूप में उपयोग में लाया जायेगा जिनकी आवश्यकतानुसार अनुरक्षण / मरम्मत की जायेगी।

इस दौरान विश्वविद्यालय के कुल. पति प्रो० ओंकार सिंह, कुलसचिव प्रो० सत्येन्द्र सिंह, वित्त नियंत्रक बिक्रम सिंह जंतवाल, प्राविधिक शिक्षा के संयुक्त निदेशक आलोक मिश्रा, कार्यदायी संस्थान पेयजल निगम के परियोजना प्रबन्धक अरविन्द सिंह संजवाण उपस्थिति रहे।